



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 275]

No. 275]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 26, 2003/चैत्र 5, 1925

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 26, 2003/CHAITRA 5, 1925

विधि और न्याय मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 मार्च, 2003

**का.आ. 327(अ).**—केन्द्रीय सरकार, माध्यस्थन् और सुलह अधिनियम, 1996 (1996 का 26) का धारा 44 के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि व्यतिकारी उपबंध कर लिए गए हैं, कनाडा को ऐसा राज्य क्षेत्र घोषित करती है, जिसमें उक्त अधिनियम की पहली अनुसूची में उपवर्णित विदेशी माध्यस्थम् पंचाटों की मान्यता और प्रवर्तन संबंधी अभिसमय, 11 अक्टूबर, 1960 को या उसके पश्चात् उस धारा में निर्दिष्ट प्रकृति के किए गए किसी पंचाट के प्रयोजन के लिए लागू होता है।

[फा. सं. 11(1)/2003-न्यायिक]

ए० सिन्हा, संयुक्त सचिव और विधि सलाहकार

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Legal Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th March, 2003

**S.O. 327(E).**— In exercise of the powers conferred by clause (b) of section 44 of the Arbitration and Conciliation Act, 1996 (26 of 1996), the Central Government, being satisfied that reciprocal provisions have been made, hereby declares Canada to be a territory to which the Convention on the Recognition and Enforcement of Foreign Arbitral Awards, set forth in the First Schedule to the said Act, applies for the purpose of any award of the nature referred to in that section made on or after the 11th day of October, 1960.

[F.No.11 (1)/2003-Judl.]

A. SINHA, Jt. Secy. & Legal Adviser